फ्री लाइब्रेरीज ज़िंदाबाद

नेटवर्क समाचार का त्रैमासिक दौर

अंक **6** | जुलाई-सितंबर

पढ़ने के अधिकार के लिए संगठित

हमने हाल ही में संस्कृति मंत्रालय के पुस्तकालय महोत्सव में प्रदर्शन के लिए खुद को संगठित किया। एकजुटता दिखाते हुए, हमारा उद्देश्य स्पष्ट रूप से एक साथ होना था और पढ़ने के अधिकार की हमारी मांग को शक्तिशाली करना था। और सभी अच्छे संगठनों की एकजुटता की तरह, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें सबसे पहले खुद को एक साथ दिखना था।

एक संगठन के रूप में हमारा संघर्ष सबसे पहले एक-दूसरे को ढूंढना है और एक-दूसरे के साथ एकजुट होकर, साथ मिलकर काम करने के लिए एक-दूसरे पर भरोसा करना है। हममें से प्रत्येक को यह सोचना है की अगर मैं आगे बढ़ता हूं, तो क्या मेरे साथ अन्य लोग भी हैं? जैसे ही हमने देश भर से महोत्सव के लिए पंजीकरण कराया, हम सब एक दुसरे को दिखने लग गए और अपने उद्देश्य में एकजुट हो गए, जोखिम लेने के लिए और एक साथ मिलकर काम करने के लिए । पंजीकरण करने, उपस्थित होने, बोलने, मांग करने के जोखिमों में हममें से कोई भी कभी अकेला नहीं था क्यूंकि हम एक दुसरे के साथ मिलकर खड़े थे ।

महोत्सव में, हम प्रगतिशील परिवर्तन को व्यक्त करने वाली और सबसे अधिक दिखाई देने वाली शक्ति थे। जबकि अन्य संगठनों ने "आशा' के बारे में बात की जबकि हमने "कार्यवाही " के बारे में बात की। कार्यवाही के बिना आशा एक खोखला वादा है। ऐसा नहीं है कि यह त्यौहार सभी के लिए पढ़ने/जानकारी के अधिकार का उत्सव था बल्कि मुख्य वक्ता ने प्रकाशन उद्योग से "पक्षपातपूर्ण" प्रकाशन बंद करने और सरकार के आदेशों का पालन करने और सरकार की पसंद की पुस्तकों का प्रसार करने का आह्वान किया।

भारत में पढ़ने का अधिकार बिना संघर्ष के नहीं मिलेगा। अन्यथा, हम अपनी आजादी के 76वें वर्षों में पहले ही एक सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणाली का निर्माण कर चुके होते। पढ़ने का अधिकार समान होने का अधिकार है, सत्ता को चुनौती है। इसके बिना, हम खुद को "विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास की स्वतंत्रता..." जिसकी परिकल्पना हमारे संविधान की प्रस्तावना में की गई है को संपूर्ण नहीं मान सकते। ।

मृदुला कोशी
कोर ग्रुप सदस्य, फ्री लाइब्रेरीज़ नेटवर्क
ट्रस्टी, टी.सी.एल.पी

हम हैं एफ.एल.एन !

Fएफ.एल.एन सदस्य निःशुल्क या "फ्री" पुस्तकालयों के निर्माण, संचालन और प्रचार के लिए काम करते हैं जो जाति, वर्ग, धर्म, लिंग और यौन पहचान या विकलांगता के भेद-भाव के बिना सभी का स्वागत करते हैं। हम सभी को पुस्तकों को मुफ़्त पहुँचाने और उन नए पाठकों को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं, जिनके पास शायद स्वयं किताबें पढ़ पाने के साधन अभी नहीं है।

वेबसाइट- https://www.fln.org.in/| **ट्विटर** @FreeLibNetwork | **इंस्टा:** @freelibrariesnetworkfln | **फेसबुक** @freelibrariesnetworkFLN **ईमेल**: freelibrariesnetworkfln@gmail.com और पुस्तक वितरण के लिए: booksforallFLN@gmail.com

एफ. एल. एन कार्यक्रम और कार्यशालाएं

धन संचय वेबिनार - भाग 1 | 15 जुलाई 2023 -

छवि: धन उगाहने वाले वेबिनार के लिए पोस्टर

धन संचय वेबिनार - भाग 1 | 15 जुलाई 2023 - धन संचय पर वेबिनार की श्रृंखला के पहले में, एफएलएन सदस्य पुस्तकालयों ने धन जुटाने के साथ अपने अनुभव और रणनीतियों को साझा किया। टीसीएलपी, बंसा लाइब्रेरी और लेसिन ने अपनी व्यक्तिगत विकास कहानियां और फंड जुटाने की कहानियां साझा कीं। यह वेबिनार केवल एफएलएन सदस्यों के लिए था। वेबिनार की रिकॉर्डिंग के लिए कृपया madhumita.rajan@gmail.com पर लिखें। अन्य सामग्री: पंजीकरण और अनुपालन पर पीपीटी। फंडिंग पर क्राउडसोर्स्ड दस्तावेज़

प्रकाशक कनेक्ट | मुस्कान से बातचीत | 5 अगस्त 23

छवि: मुस्कान वेबिनार का स्क्रीनशॉट, मुस्कान के कुछ बच्चों के प्रकाशन के कवर के साथ

मुस्कान टीम (जिसका प्रतिनिधित्व सिमरन उइके, लेखिका, बाली जगत, शिक्षक, कवि और लेखक, ब्रजेश वर्मा, शिक्षा कार्यक्रम समन्वयक और माहीन मिर्जा, प्रकाशन समन्वयक) ने एफएलएन पुस्तकलयो के साथ अपने प्रकाशन दर्शन, पुस्तकालय अनुभव और संघर्षों को साझा किया। मुस्कान की किताबें आम तौर पर मुख्यधारा के साहित्य से बाहर किए गए समुदायों की कहानियों, अनुभवों- दलित समुदायों, आदिवासियों, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों की कहानियों को पाठकों तक पहुंचाकर प्रकाशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कमी को पूरा करती हैं। मुस्कान की बच्चों की किताबें बच्चे के नज़रिया, स्वयं में जो क्षमता है और उनकी एजेंसी का सम्मान करती हैं। उनके लेखक, चित्रकार, पुस्तक निर्माता इस सवाल ग़ौर से देखते हैं कि - साहित्य रचनाकार किसे कहा जाता है? उन्होंने एक छोटी कहानी और एक पुस्तक का अप्रकाशित हिस्सा भी जोर से पढ़ा, जिससे उनके प्रकाशन दर्शन नज़र आई। पूनम और रोहन द्वारा संचालित और 80 से अधिक एफ.एल.एन पुस्तकालयों द्वारा भाग ली गई यह बातचीत जानकारीपूर्ण और आनंददायक थी। इसने हमें कहानियों की ताकत और हर किसी से देखने और सुनने की जरूरत सिखाई। मुस्कान के बारे में अधिक जानें - वेबसाइट और स्टोर (www.store.muskaan.org) उनसे मेल पर संपर्क करें: publications@muskaan.org

यूट्यूब पर पूरी बातचीत के लिए यहां क्लिक करें ।यूट्यूब पर "Free Libraries Network FLN" चैनल देखें

लेखक वार्ता| बेटी करे सवाल और बेटा करे सवाल | 16 सितम्बर 23

छवि: वेबिनार से स्क्रीनशॉट। हिंदी में हास्य अंश जिसमें एक युवा लड़के को अपनी स्वायत्तता का दावा करते हुए दिखाया गया है

लेखक अनु गुप्ता और साकेत ने विज़ूअल कलाकार कैरन के साथ एफएलएन के साथ दो पुस्तकों - बेटी करे सवाल और बेटा करे सवाल - के निर्माण पर चर्चा की। बेटी करे सवाल सरकारी स्कूलों में लड़कियों के साथ प्रजनन स्वास्थ्य पर कार्यशालाओं से उभरा। इसमें लड़कियों के प्रश्न, कहानियाँ और यहाँ तक कि चित्र भी शामिल हैं। बेटा करे सवाल ने लड़कों को जेंडर, लिंग, यौनिकता/लैंगिकता और स्वास्थ्य के बारे में बातचीत में शामिल करता है।

जबकि लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग किताबें होने से दो ही लिंगो का सीमित दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है, यह किताबें प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए महिला आंदोलन के संदर्भ में विकसित हुए। ये दो पुस्तकें अभी भी पुस्तकालयों के लिए बच्चों के साथ जेंडर, लिंग, प्रजनन, स्वास्थ्य और यहां तक कि लत जैसे मुद्दों के बारे में बातचीत शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण संसाधन हैं। किताबें बच्चों के सवालों पर आधारित हैं और उनमें उनके चित्र, कहानियाँ और जीवन के अनुभव शामिल हैं।

यूट्यूब पर पूरी बातचीत के लिए यहां क्लिक करें ।यूट्यूब पर "Free Libraries Network FLN" चैनल देखें

पुस्तकालयों का उत्सव
5-6 अगस्त 23 | दिल्ली

संस्कृति मंत्रालय ने प्रगति मैदान दिल्ली में "पुस्तकालय महोत्सव 2023" का आयोजन किया। महोत्सव का उद्घाटन भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया गया और कई मंत्रियों, वरिष्ठ सिविल सेवा अधिकारियों को सार्वजनिक पुस्तकालयों पर बोलते और विचार-विमर्श करते देखा गया। प्रकाशकों, लेखकों, सभी के लिए पुस्तकालयों तक पहुंच बनाने के लिए काम कर रहे अन्य नागरिक समाज समूहों ने भी इसमें भाग लिया और कुछ अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालयों ने भी इसमें भाग लिया। फ्री लाइब्रेरीज़ नेटवर्क इस उत्सव में एक सक्रिय भागीदार और दर्शक था।

पैनलों पर एफएलएन | पढ़ना अधिकार है, सभी के लिए है: एफ.एल.एन दो पैनल चर्चाओं का हिस्सा था। बांसा लाइब्रेरी से जतिन ने "बेस्ट लाइब्रेरी प्रैक्टिसेज" विषय पर एक सत्र में भाग लिया। उन्होंने बांसा सामुदायिक पुस्तकालय की जन्म कहानी और समुदाय के सभी सदस्यों तक पहुंचने और उन्हें पुस्तकालय प्रबंधन और स्वामित्व में शामिल करने के लिए विकसित की गई प्रथाओं को साझा किया। उउन्होनें एफ. एल. एन. का परिचय दिया - यह क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों है। उन्होंने निशुल्क, समावेशी पुस्तकालयों की वकालत की। काफी प्रतिरोध के बावजूद, उन्होंने राज्य वित्त पोषित, निशुल्क और समावेशी पुस्तकालयों की सुविधा के लिए एक राष्ट्रीय नीति के रूप में सार्वजनिक पुस्तकालयों के लिए समर्थन का आह्वान किया। प्राची, (टी.सी.एल.पी) ने "लाइब्रेरीज़ फ्रॉम अराउंड द वर्ल्ड" पर एक सत्र में भाग लिया। इस सत्र में गाम्बिया और रूस में पुस्तकालयों और उनकी प्रथाओं का परिचय दिया गया। इसने भारत में विभिन्न (गैर-राज्य) पुस्तकालय मॉडल भी पेश किए। प्राची ने फ्री लाइब्रेरी आंदोलन, सार्वजनिक पुस्तकालय की भूमिका, किन किन लोगों तक उनका पहुँच होना चहिए और पुस्तकालयों तक पहुंच को एक अधिकार और राज्य द्वारा जनता की भलाई के लिए इसे प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जतिन और प्राची दोनों ने एक बहुत ही आवश्यक हस्तक्षेप प्रस्तुत किया।

छवि: भीम ब्लू टी शर्ट में एफएलएन लोगो के साथ मंच पर बोलती हुई प्राची की छवि, बड़े स्क्रीन पर प्रदर्शित की गई

छवि: जतिन की छवि, भीम ब्लू टी शर्ट में एफएलएन लोगो बोलते हुए, बड़ी स्क्रीन पर प्रदर्शित की गई

पुस्तकालय बनाने के व्यक्तिगत और सामुदायिक प्रयास उन समुदायों के लिए परिवर्तनकारी हैं। हालाँकि, उन्हें निरंतर सार्वजनिक समर्थन और प्रोत्साहन की आवश्यकता है। दूसरा, एकाकी और अनौपचारिक नागरिक समाज के प्रयासों से , सभी पुस्तकालयों के मानकों के अनुरूप होने की संभावना नहीं होगी। जतिन और प्राची ने जनहित के रूप में पुस्तकालयों की भूमिका पर जोर दिया और जोर दिया कि "पढ़ना एक अधिकार है" जो सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने पुस्तकालयों के लिए धन, सहायता, संसाधन और सामान्य मानक बनाने में राष्ट्रीय नीति के माध्यम से राज्य के समर्थन और हस्तक्षेप की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया।

पढ़ना सबका हक़ हैं

छवि: एफएलएन सदस्यों की तीन तस्वीरें जिनमें स्टिकर वितरित किए जा रहे हैं, हाथ से पेंटिंग की पेशकश की जा रही है और जनता के साथ सहभागिता की जा रही है

उत्सव का माहौल बनाना| टी.सी.एल,पी के नेतृत्व में एफ.एल.एन ने इस सम्मेलन को एक वास्तविक उत्सव बना दिया। सम्मेलन के दोनों दिन कई एफ.एल.एन पुस्तकालयों ने भाग लिया। एफ.एल.एन ने अपने संघ के सभी लेखकों और प्रकाशकों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करके इस बात को फैलाने में मदद की। मंच पर, दर्शकों के सामने और पूरे आयोजन स्थल पर चमकीले भीम नीले रंग की शर्ट में फ्री लाइब्रेरीज़ नेटवर्क की उपस्थिति अविस्मरणीय थी। उन्होंने लोगों को बैज, स्टिकर और पत्रक वितरित किए, निःशुल्क या "फ्री" पुस्तकालयों के बारे में लोगों को जागरूक किया। एफएलएन सदस्यों ने फेस पेंटिंग, लघु नाटक और गीत प्रदर्शन की पेशकश करके मनोरंजन भी किया। सार्वजनिक पुस्तकालयों के लिए. यह एफएलएन सदस्यों और समर्थकों का एक साथ आना और अंततः खुद को एक समूह सामूहिक आंदोलन के हिस्से के रूप में देखना एक खुशी और सशक्तता थी। एफएलएन ने इस क्षण का उपयोग प्रश्न पूछने, आंदोलन करने और मांग करने के लिए किया।

छवि: एफएलएन सदस्यों की तीन तस्वीरें, जो मंचन लघु प्रदर्शन/शो का वितरण कर रहे हैं, मुफ्त पुस्तकालयों के प्रवक्ता हैं, चमकदार मुस्कान और एफएलएन लोगो के साथ नीली टी-शर्ट के साथ।

उम्मीद बढ़ाने वाली बातें:

- पुस्तक प्रेमियों और पुस्तकालय समर्थकों से मिलना - नए सहयोगी बनाना और नए चैंपियन ढूंढना
- प्रतिबद्ध सिविल सर्वेन्ट्स के अपने राज्यों और जिलों में पुस्तकालयों को बढ़ावा देने और चैंपियन बनाने के लिए प्रयास
- वरिष्ठ मंत्रियों (जैसे आर बिंदू, उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय मंत्री) द्वारा एफएलएन की मान्यताएं और दृढ़ विश्वास दोहराए गए, जैसे की : "पढ़ना एक अधिकार है", " निशुल्क पुस्तकालय पढ़ने में बाधाओं को तोड़ते हैं", "मजबूत सार्वजनिक पुस्तकालय बुनियादी ढांचे से समाज निर्माण में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा मिलता है" .
- एफएलएन को सार्वजनिक मंच पर एक सच्चे सामूहिक-संचालित आंदोलन के रूप में उभरते हुए देखना।

छवि: जतिन, मृदुला और पूर्णिमा (एफएलएन लोगो के साथ भीम ब्लू शर्ट में) आर बिंदू (उच्च शिक्षा और सामाजिक न्याय मंत्री, केरल) के साथ

निराश करने वाली बातें:

जबकि सम्मेलन ने पुस्तकालयों (जिसे अक्सर एक सार्वजनिक संस्थान के रूप में नजरअंदाज कर दिया जाता है) पर प्रकाश डाला, नीचे लिखी हुई बातों से काफी निराश हुआ:

- जरूरी चर्चाएं जिन पर बात नहीं हुई : इन बातों पर पर्याप्त चर्चा या चिंतन नहीं हुआ जैसे की, हमारे पास पहले से ही एक मजबूत सार्वजनिक पुस्तकालय बुनियादी ढांचा क्यों नहीं है? मौजूदा असमानताएं अनुभागों को पुस्तकालयों/पढ़ने से कैसे दूर रखती हैं?
- सामुदायिक पुस्तकालय बनाने के लिए व्यक्तिगत और नागरिक समाज के प्रयासों का जश्न स्वागतयोग्य है, हालाँकि इन प्रयासों को परोपकार के कार्यों के रूप में प्रस्तुत करना, पढ़ने को एक अधिकार के रूप में देखने से इनकार करता है।
- सभी विचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले साहित्य की विविधता को प्रोत्साहित करने के बजाय प्रकाशकों से प्रचारित "अच्छे राष्ट्रवादी व्यवहार" वाली सामग्री प्रकाशित करने के लिए बार-बार आह्वान किया गया ।

सार्वजनिक पुस्तकालय निःशुल्क होने चाहिए
भारत को 'निःशुल्क पुस्तकालय राष्ट्रीय नीति' की आवश्यकता है!

पुस्तकालय भौतिक या आभासी डोमेन में एक स्थान है जो बिना किसी पूर्वाग्रह के सभी को सूचना और ज्ञान तक पहुंच की गारंटी देता है।

आईएफएलए-यूनेस्को पब्लिक लाइब्रेरी मेनिफेस्टो 2022 के अनुसार: "जनता को अपने पुस्तकालय पर भरोसा है, और बदले में, सार्वजनिक पुस्तकालय की महत्वाकांक्षा है कि वह अपने समुदाय को सक्रिय रूप से सूचित और जागरूक रखे। सार्वजनिक पुस्तकालय की सेवाएँ उम्र, जातीयता, लिंग, धर्म, राष्ट्रीयता, भाषा, सामाजिक स्थिति और किसी भी अन्य विशेषता की परवाह किए बिना सभी के लिए पहुंच की समानता के आधार पर प्रदान की जाती हैं।

भारत में, सार्वजनिक पुस्तकालय सभी को समान रूप से ज्ञान और सूचना तक पहुँच प्रदान नहीं करते हैं। इसलिए, सार्वजनिक पुस्तकालय को परिभाषित करने के लिए 'निःशुल्क' शब्द का उपयोग करना महत्वपूर्ण है, यानी एक ऐसा पुस्तकालय जो सदस्यता या अपनी किसी भी सेवा के लिए कोई शुल्क नहीं लेता है और नीति, प्रोग्रामिंग और सर्वोत्तम प्रथाओं के तहत, जाति, वर्ग, धर्म, लिंग, यौन अभिविन्यास या विकलांगता की बाधाओं को तोड़कर, सक्रिय रूप से सभी लोगों को अपने ज्ञान और सूचना संसाधनों का उपयोग करने के लिए आमंत्रित करता है।

निःशुल्क सार्वजनिक पुस्तकालय सभी लोगों के लिए यह सुनिश्चित करता है:

- सूचना और ज्ञान तक पहुंच, बिना किसी सदस्यता शुल्क, जुर्माना, सिक्योरिटी राशि या दस्तावेज़ प्रमाण के
- सामाजिक मेलजोल और संस्कृति का अभ्यास करने का स्थान
- सदस्य-संचालित पुस्तकालय पाठ्यक्रम के माध्यम से पुस्तकों, साहित्य और पढ़ने तक निःशुल्क पहुंच
- शैक्षणिक आवश्यकताओं और अवसरों के लिए समर्थन और मार्गदर्शन
- लोकतांत्रिक और सामाजिक अधिकारों का प्रयोग करने की स्वतंत्रता

यह निम्नलिखित द्वारा सभी के लिए एक समावेशी और स्वागत योग्य स्थान बनाता है:

- जाति-विरोधी, लिंग-समावेशी, विकलांगता-समावेशी और नफरत/बैर-विरोधी नीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से जनता की जरूरतों को पूरा करना
- न्याय, समानता, बंधुत्व और स्वतंत्रता के संवैधानिक मूल्यों का पालन करना
- प्रेम के सिद्धांतों को आत्मसात करना, सभी के लिए सम्मान और प्रतिष्ठा सुनिश्चित करना
- सोच और आनंद के साथ पढ़ने को प्रोत्साहित करना
- लोगों की भाषाओं में पुस्तकों, पठन सामग्री और डिजिटल संसाधनों का विविध संग्रह बनाना

यह है:

- सार्वजनिक वित्त पोषित

यह नहीं है:

- वाणिज्यिक, निजी या सरकारी दबावों से प्रभावित
- सेंसरशिप के अधीन
- किसी भी राजनीतिक दल के आदर्शों की सेवा करने का साधन

FREE LIBRARIES NETWORK India & South Asia

फ्री लाइब्रेरीज नेटवर्क FLN - 2023
इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन एंड इंस्टीट्यूशंस-आईएफएलए का सदस्य

सदस्य पुस्तकालयों पर स्पॉटलाइट

कुछ एफएलएन पुस्तकालयों का परिचय। विशिष्ट पुस्तकालयों के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया यह कॉलम देखें।

नमिता से बातचीत | चेतना ट्रस्ट, 2004 में स्थापित,चेतना ट्रस्ट, ऐसे वातावरण, अवसर और संसाधन बनाने के लिए समर्पित है जो विकलांग लोगों और पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों के लिए शिक्षण और विकास को बढ़ावा देते हैं। चेन्नई, कोट्टूरपुरम में स्थित, चेतना ट्रस्ट विशेषज्ञ है - विशेष जरूरतों वाले लोगों के लिए सहायक संसाधन बनाना, अपनी स्वयं की एआरएम लाइब्रेरी (सुलभ पठन सामग्री लाइब्रेरी) चलाना के लिए जो प्रति माह प्रिंट विकलांगता वाले लगभग 100 बच्चों तक पहुंचती है। इसके अलावा यह ट्रस्ट अन्य गतिविधियों द्वारा और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कई अन्य बच्चों तक पहुंचती है।

चेतना का मिशन जागरूकता बढ़ाना, समुदायों के अदृश्य लोगों को सामने लाना और उन्हें सामुदायिक गतिविधियों और विकास में शामिल करना है। इस उद्देश्य से वे पढ़ने के संसाधन, खिलौने, सहायक प्रौद्योगिकी समाधान बनाते हैं। चेतना ट्रस्ट की संस्थापक नमिता कहती हैं, "साक्षरता एक चिंता का विषय है।बच्चों के दृश्य या बौद्धिक स्थिति की परवाह किए बिना यह संसाधनों तक पहुंच की समस्या है। अनुकूलित कहानी की किताबों, अनुकूलित खिलौनों तक पहुंच की कमी के कारण, बच्चों को पढ़ने के आनंद, आत्म-खोज और खेल के विकास से परिचित नहीं कराया गया।

छवि: चेतना ट्रस्ट की सुलभ कहानी पुस्तकों की श्रृंखला

पढ़ने के संसाधन: सभी बच्चों के लिए किताबों को रोमांचक बनाए रखने के लिए, चेतना ट्रस्ट ने मौजूदा किताबों को अनुकूलित करने के साथ-साथ अपनी कहानी की किताबें भी बनानी शुरू कर दीं, जिसमें अधिक स्वतंत्रता देने के लिए स्पर्शनीय चित्र, बड़े पाठ, सरलीकृत पाठ, पेज टर्नर और अन्य सुविधाओं जैसे तत्वों को शामिल किया गया। यह ध्यान, दृष्टि, मोटर या बौद्धिक हानि सहित विभिन्न कठिनाइयों वाले बच्चों के लिए किया गया । सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चेतना ट्रस्ट की किताबें मज़ेदार हैं! वे उज्ज्वल और आनंददायक हैं - जिससे बच्चे उन्हें उठाना, अच्छे से देखना और दोस्तों के साथ साझा करना चाहते हैं। [माह की पुस्तक देखने के लिए यहां क्लिक करें] चेतना ट्रस्ट के स्वयं के प्रकाशनों का अन्य महत्वपूर्ण मूल्य है - उनकी प्रतिलिपि बनाई जा सकती है। अधिकांश पुस्तकालयों में इन पुस्तकों को बहुत कम लागत पर पुन: तैयार किया जा सकता है। उन्हें विशेष तकनीक या विशेष प्रिंटर की आवश्यकता नहीं है बस उन लोगों के बारे में सोचने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता है जिनकी विशेष आवश्यकताएं हैं, जिन्हें आपकी लाइब्रेरी में मौजूदा संसाधनों तक पहुंचने में परेशानी होती है और अपनी लाइब्रेरी में एक ऐसा संग्रह बनाने की प्रतिबद्धता है जो सभी की सेवा करता हो। उनकी वेबसाइट आपको किताबें ढूंढने, अपनी खुद की किताबें बनाने, यहां तक कि खिलौने बनाने और ऐसे गेम बनाने में मार्गदर्शन करेगी जो सभी को खेलने के लिए आमंत्रित करें।

उपयोगकर्ताओं के साथ सह-निर्माण: चेतना ट्रस्ट किताबें बनाने में अंतिम उपयोगकर्ताओं, समुदाय के सदस्यों और संगठनों के साथ मिलकर काम करता है। यह जागरूकता और कौशल बढ़ाने और ऐसे भविष्य की दिशा में काम करने का एक शानदार तरीका है जहां प्रिंट विकलांगता वाले बच्चों को उच्च गुणवत्ता, आकर्षक किताबों तक समान पहुंच प्राप्त हो। आई.आई.टी मद्रास, एनबिलिटी फाउंडेशन और टचटेक के साथ साझेदारी के परिणामस्वरूप ऐसी तकनीक सामने आई है जो किताबों में स्पर्शनीय तत्व बनाने में मदद करती है। ब्लूम रीडर ऐप ऑनलाइन पुस्तकों के लिए एक सुलभ पढ़ने का अनुभव प्रदान करता है। कई लेखक और चित्रकार कहानियाँ बनाने में मदद करते हैं। विकलांग बच्चे अक्सर किताबों के लेखक होते हैं और कुछ लोग चेतना की कहानियों को ऑनलाइन आवाज देते हैं।

छवि: एक बच्चा चेतना ट्रस्ट के द गिविंग ट्री, शेल सिल्वरस्टीन के रूपांतरण की खोज करता है।

विभिन्न उम्र के विकलांग लोग पेशेवर सलाहकार समिति में होते हैं और सहायक तत्वों के विकसित होने पर उन पर प्रतिक्रिया देते हैं।

छवि: चेतना ट्रस्ट की सुलभ कहानी पुस्तकों के साथ कहानी कहने के सत्र

जागरूकता: चेतना विकलांगता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और ज्ञान और कौशल विकसित करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों में कार्यशालाएं आयोजित करती है जो हमारे समाज में विकलांग लोगों की अधिक भागीदारी को सक्षम बनाएगी। चेतना सुलभ सामग्री बनाने, पुस्तकालय स्थानों को अधिक समावेशी बनाने, ब्रेल और सांकेतिक भाषा सीखने पर कार्यशालाएँ आयोजित करती है। चेतना ट्रस्ट द्वारा उन लोगों के लिए स्वयंसेवकों और इंटर्नशिप की पेशकश की जाती है जिनकी सुलभ संसाधनों को विकसित करने में महत्वपूर्ण रुचि और जिज्ञासा है। चेतना ट्रस्ट का मुख्य मिशन सभी को एक साथ विकसित करना और हममें से प्रत्येक को अपनी शिक्षा और विकास को निर्देशित करने में सक्षम बनाना है। उनकी किताबें बच्चों को अपनी पढ़ने की यात्रा पर नियंत्रण रखने की अनुमति देने का एक तरीका है।

सपना यह है कि विकलांग बच्चों को शामिल करने के लिए अधिक पुस्तकालय सुसज्जित हों और प्रकाशन गृह सुलभ कहानी की किताबें बनाना शुरू करें।

चेतना ट्रस्ट | वेबसाइट: www.Chetana.org.in | **इंस्टा:** @chetana_trust | **ईमेल:** team@chetana.org.in **फ़ोन:** 9840509739 / 7305099749 **|यूट्यूब** Team Chetana

पिंकी बिस्वाश से बातचीत | असम के डिब्रूगढ़ में **चंद्रप्रभा सैकियानी नारीवादी पुस्तकालय** की स्थापना 2023 में की गई थी। इस नारीवादी पुस्तकालय का लक्ष्य सभी के लिए एक सुरक्षित और समावेशी स्थान प्रदान करना है - विशेष रूप से महिलाओं, ट्रांस लोगों, समलैंगिक समुदाय और दो लिंगो की सामाजिक नियम को न मानने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए। लाइब्रेरी का एक बड़ा मिशन है - लैंगिक असमानताओं के बारे में जागरूकता पैदा करना, पारंपरिक बाइनेरी लिंग मानदंडों को चुनौती देने वालों को बढ़ावा देना, 'स्वयं' होने के लिए एक स्थान प्रदान करना, एक जज्मेंट मुक्त क्षेत्र प्रदान करना। डिब्रूगढ़ में एक अच्छा विश्वविद्यालय का पुस्तकालय है। हालाँकि यह गैर-विश्वविद्यालय सदस्यों के लिए भी खुला है, पर एक अकादमिक पुस्तकालय के अपने उद्देश्य के कारण, इसका पुस्तक संग्रह केवल विद्वानों और शिक्षाविदों के लिए है। इसके नियम और कानून सीमित करते हैं। पिंकी और दृष्टि क्वीर कलेक्टिव के अन्य सदस्यों को ऐसे स्थान की सख्त ज़रूरत महसूस हुई जो उनका स्वागत करता हो, उनके लिए प्रासंगिक साहित्य रखता हो, और डिब्रूगढ़ के बड़े समुदाय - बच्चों, महिलाओं, किसानों, दुकानदारों आदि की सेवा भी करता हो और इसलिए इस नारीवादी पुस्तकालय का जन्म हुआ।

पढ़ने के संसाधन: इस पुस्तकालय में 2000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले बच्चों की पुस्तक अनुभाग है, जिसमें लिंग मानदंडों और भूमिकाओं और यौनिकता/लैंगिकता पर किताबें शामिल हैं। बड़ों के लिए कथा साहित्य और गैर-कथा साहित्य पुस्तकों का एक संग्रह और जेंडर अध्ययन पर एक विशेष खंड भी है। पुस्तकालय में अंग्रेजी, असमिया और हिंदी में किताबें हैं। स्थानीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण संसाधन ढूँढना एक चुनौती है, हालाँकि पुस्तकालय ने असमिया और हिंदी में उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों और साहित्य का संग्रह तैयार किया है।

छवि: हर्षित इंद्रधनुषी छतरी के नीचे लाइब्रेरी की अच्छी तरह से सुसज्जित बुकशेल्फ़

पुस्तकालय कार्यक्रम: पुस्तकालय सुबह 11:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक सभी के लिए खुला रहता है। बच्चों के भाग में नियमित रूप से रीड-अलाउड होते है। बच्चों की पढ़ने की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए लाइब्रेरी ने पड़ोस के स्थानीय सरकारी स्कूलों के साथ सहयोग किया है। प्रत्येक माह के पहले रविवार को थीम आधारित चर्चाएँ आयोजित की जाती हैं। इन्हें पोस्टरों और मौखिक प्रचार के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित किया जाता है और यह सभी के लिए खुला है। पुस्तकालय में फिल्म स्क्रीनिंग भी होती है, समर्पित पुस्तक चर्चा समूह भी हैं। पुस्तकालय जेंडर और यौनिकता/लैंगिकता पर कार्यशालाएँ भी

छवि: पुस्तकालय की चमकदार दीवार, जिसके सामने कलाकृतियाँ रखी हुई हैं और गर्व और सशक्तिकरण का संदेश है

आयोजित करता है। ये सभी कार्यशालाएँ और कार्यक्रम पुस्तकालय को लोकप्रिय, दृश्यमान और सभी के लिए खुला बनाते हैं। हालाँकि, लाइब्रेरी का एक स्पष्ट मिशन और दृष्टिकोण है और ये सभी कार्यक्रम इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए तैयार किए गए हैं - एक सुरक्षित, मुक्त स्थान बनाने का लक्ष्य जहां सभी का स्वागत है और सभी को स्वयं के लिए आमंत्रित किया जाता है। विषयगत चर्चाएँ समुदाय को इस बात पर गहराई से विचार करने के लिए आमंत्रित करती हैं कि हम किसे शामिल करते हैं और किसे बाहर करते हैं और क्यों। फिल्म स्क्रीनिंग से बहस और चर्चा छिड़ती है और विचारों के आज़ाद तरीके से आदान-प्रदान की अनुमति मिलती है। कार्यशालाएँ जागरूकता बढ़ाती हैं और जेंडर, यौनिकता/लैंगिकता, जेंडर भूमिका आदि पर बहुत आवश्यक जानकारी प्रदान करती हैं।

वर्तमान में स्थान एक चुनौती है। पुस्तकालय की स्थापना इसलिए की गई क्योंकि डिब्रूगढ़ में समुदायों को इकट्ठा होने और संगठित होने के लिए कई सार्वजनिक स्थान उपलब्ध नहीं थे। इसे जोड़ने के लिए कुछ मौजूदा सार्वजनिक स्थान बहुत संदिग्ध थे और यहां तक कि समलैंगिक समुदाय के लिए प्रतिरोधी भी थे। जबकि पुस्तकालय अब विश्वविद्यालय के नजदीक एक इमारत में मौजूद है, उन्हें फिर से स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

चंद्रप्रभा सैकियानी नारीवादी पुस्तकालय | वेबसाइट: https://akamfoundation.org.in **इंस्टा:** @kitape_katha_koi
ईमेल akamfoundationassam@gmail.com फ़ोन: 91 93659 52412

किताब - कोना

एफएलएन लाइब्रेरीज़ अनुशंसा करती है

चेतना ट्रस्ट के पसंद

चेतना ट्रस्ट ऑनलाइन कहानियाँ: https://chetana.org.in/armonlinelibrary - ये कहानियाँ मुद्रित भी की जा सकती हैं! अनेक भाषाओं और विषयों में कहानियाँ खोजें।

पकड़ो, पकड़ो उस बिल्ली को by थारिनी विश्वनाथ द्वारा, नैन्सी राज द्वारा सचित्र
प्रकाशक: तूलिका बुक्स

जब कापी, बिल्ली लापता हो जाती है तो एक उत्साही छोटी लड़की डिप डिप अपनी बिल्ली को ढूंढने के लिए सब कुछ करेगी.

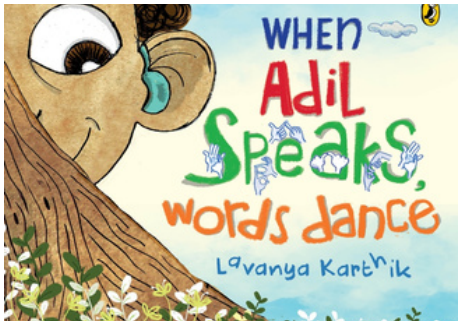

When Adil Speaks, Words Dance
लावण्या कार्तिक द्वारा
प्रकाशक पफिन (पेंगुइन)

सहानुभूति, समावेशिता और दोस्ती की आश्चर्यजनक महाशक्तियों की एक दिल छू लेने वाली कहानी।

चंद्रप्रभा सैकियानी नारीवादी पुस्तकालय के पसंद

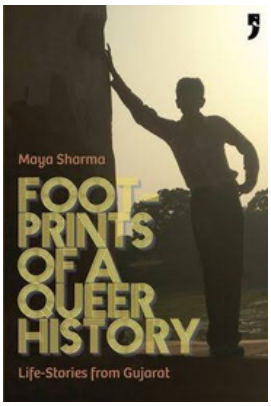

Foot prints of a queer history
माया शर्मा द्वारा
प्रकाशक योडा प्रेस

व्यक्तिगत यात्राओं, राजनीतिक चेतना, सामाजिक-कानूनी संघर्षों, मित्रता और प्रेम द्वारा चिह्नित विचित्र कहानियों की कथाएँ।

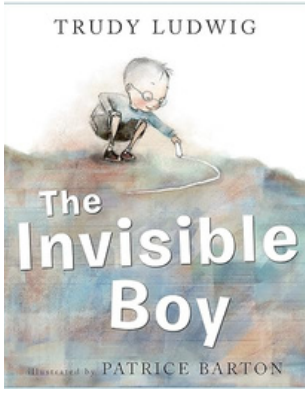

The Invisible Boy
ट्रुडी लुडविग द्वारा, पैट्रिस बार्टन द्वारा सचित्र
प्रकाशक: नोपफ बुक्स

एक सौम्य कहानी जो सिखाती है कि कैसे दयालुता के छोटे-छोटे कार्य बच्चों को शामिल महसूस करने में मदद कर सकते हैं और उन्हें फलने-फूलने का मौका दे सकते हैं।.

The Reluctant Mother
ज़हरा नकवी द्वारा
प्रकाशक: हे हाउस

एक युवा महिला की कहानी जो खुद को एक ऐसी दुनिया में ढूंढना चाहती है जो लगातार उसे परिभाषित करने की कोशिश करती है और उसे कौन होना चाहिए। यह एक मातृ-विरोधी व्यक्ति का संस्मरण है।

Translation Credits: Dr Amit Yadav, Saba Khan, Uma
Write to madhumita.rajan@gmail.com with feedback, queries and requests to feature your library or work